रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन

आज समय है आपदा को अवसर में बदलने का है–डॉ. भरत पाठक

दुबई (यू.ए.ई.) जाने के लिए चयनित तीन छात्रों को कुलपति जी ने किया पुरस्कृत

जबलपुर 24 दिसम्बर। विश्वविद्यालय के बायोडिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी) द्वारा आज दिनांक 24 दिसंबर 2021 को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उद्यमिता एवं नवाचार के द्वारा कैरियर के अवसर–स्टार्टअप की भूमिका के विशेष संदर्भ में' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमीनार में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. भरत पाठक, विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक महिला उद्यमी डॉ. नंदिता पाठक, सारस्वत अतिथि के रूप में महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टी. आर. थापक, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजकुमार आचार्य, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट के पूर्व कुलपति प्रो.एन. सी. गौतम, नार्थ ईस्टर्न हिल सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. प्रभाशंकर उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रादुविवि के माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र जी ने की।

मुख्य अतिथि डॉ. भरत पाठक ने बहुत ही प्रभावी ढंग से उद्यमिता एवं नवाचार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज समय है आपदा को अवसर में बदलने का है। उन्होंने विद्यार्थियों को अवशिष्ट पदार्थों का उपयोग करते हुए अगरबत्ती, हर्बल साबुन एवं अन्य उपयोगी सामग्रियों के निर्माण करते हुए रोजगार के अवसर प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. नंदिता पाठक ने भी छात्र–छात्राओं एवं शोधार्थियों को नवाचार एवं उद्यमिता में नारी शक्ति की भूमिका के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षत माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने डीआईसी सेन्टर में अटल टिंकरिंग लैब के दुबई (यू.ए.ई.) जाने के लिए चयनित तीन छात्रों को पुरस्कार देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का डीआईसी सेन्टर नवाचार के क्षेत्र में निरंतर नए प्रयोग एवं उत्पादन कर रहा है। फलस्वरूप इसे राष्ट्रीय स्तर पर तीन स्टार रैंकिंग भी प्राप्त हुई है।

कार्यक्रम के संयोजक के रूप में कुलसचिव डॉ. बृजेश सिंह ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति से सभी छात्र छात्राओं को अवगत कराना था।

कार्यक्रम के उप संयोजक प्रो. एस.एस. संधू निदेशक बायोडिजाइन इन्नोवेशन सेंटर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन सुश्री मृदुल शाक्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने में डीआईसी के डॉ. सुनील कुमार, अतीत कुमार जावरे, मनोज मरावी, सुजीत कुमार, नितिन स्वामी व सुखदीन कटारे का सराहनीय योगदान रहा।